अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : 'युवालोक' पो. बा. नं. 16, लाडनूं- 341306 (राज.)

फोन : 01581-222114 तार : 'युवालोक'

अर्हम्

जैन संस्कार विधि से दीपावली पूजन

परम अहिंसक प्रभु महावीर के निर्वाण की स्मृति स्वरूप सामूहिक ध्यान, जप आदि तो करने ही चाहिए, साथ ही दीपावली पर्व के अवसर पर भगवान महावीर प्रभु की भाव वन्दना तथा अपने बही, पत्रों का प्रारम्भ करते समय संस्कृति परक शब्द वन्दना हो तो अपने परिवार में महापुरूषों की पावन स्मृति के साथ जैनत्व के संस्कार स्वत: उजागर होंगे।

आवश्यक सामग्री : अक्षत (चावल), कुंकुम, मोली, गुड़, जल कलश, अगरबत्ती, लाल वस्त्र, पट्ट, सिक्के, घी का दीपक, थाल, मंगल-भावना यंत्र आदि।

विधि : सर्व प्रथम पूर्वाभिमुख होकर 'मंगल-भावना यंत्र' को उचित स्थान पर स्थापित करें।

थाल के मध्य कुंकुम से 'अर्हम्' का अंकन करें।

पट्ट पर लाल वस्त्र बिछाकर चावल से स्वस्तिक 卐 बनायें।

सर्व-मंगल-मांगल्यं, सर्व-कल्याणकारणम् ।
प्रधानं सर्वधर्माणां, जैनं जयतु शासनम् ।।

इस मन्त्रोच्चारण के साथ स्वयं के तथा परिवार के प्रमुख व्यक्ति के मस्तक पर तिलक करें और हाथ पर मोली बांधे।

मंगलं भगवान् वीरो, मंगलं गौतमो गणि: ।
मंगलं स्थूलभद्राद्या:, जैनधर्मोस्तु मंगलम् ।।

इस मन्त्रोच्चारण के साथ कलम आदि के मोली बांधें तथा उपस्थित सदस्यों के तिलक करें। सभी सदस्य एकाग्र होकर सामूहिक रूप से निम्न मन्त्रों का उच्चारण करें।

णमो समणस्स भगवओ महावीरस्स
ॐहीं श्रीं अर्हं अर्हद्भ्यो नमो नम:
ॐहीं श्रीं अर्हं सिद्धेभ्यो नमो नम:
ॐहीं श्रीं अर्हं आचार्येभ्यो नमो नम:
ॐहीं श्रीं अर्हं उपाध्यायेभ्यो नमो नम:
ॐहीं श्रीं अर्हं गौतमस्वामिप्रमुख सर्व साधुभ्यो नमो नम:

बही खातों के मुख्य पृष्ठों पर निम्नांकित शब्द वन्दना अंकित करें:–

श्री
श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री

णमो समणस्स भगवओ महावीरस्स

णमो अरहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं । णमो उवज्झायाणं णमो लोए सव्व साहूणं।।
एसो पंच णमुक्कारो, सव्व पाव पणासणो । मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं।।

अ	ए	सि
स	आ	म
उ	प	सा

अ	ए	सि
स	आ	म
उ	प	सा

१	१४	४	१५
८	११	५	१०
१३	२	१६	३
१२	७	९	६
ॐ	ह्रीं	श्रीं	क्लीं

श्री भगवान महावीर जैसा दिव्य ज्ञान, श्री गौतम गणधर जैसा भव्य ध्यान, श्री भरतचक्रवर्ती जैसी अनासक्ति, श्री बाहुबलि जैसी शक्ति , श्री अभयकुमार जैसी निर्मल बुद्धि, श्री धन्ना शालिभद्र जैसी ऋद्धि–सिद्धि,सेठ सुदर्शन जैसा शील, श्री कयवन्ना सेठ जैसा सौभाग्य, माता मरु देवी जैसी सुखश्री के लिए शुभ वीर निर्वाण संवत् **2536** विक्रम संवत् **2066** तिथि **कार्तिक कृष्णा अमावस्या** वार **शनिवार** दिनांक **17 अक्टूबर 2009** शुभ लग्न ..... एवं शुभ नक्षत्र **चित्रा** में श्री दीपमालिका (महावीर जयन्ती आदि) के मंगल पर्व पर भगवान महावीर के मंगलमय पर्व पर भगवान महावीर के मंगलमय स्मरण के साथ बही खातों को सानन्द शुभारम्भ किया।

मंगल मंत्र का इस प्रकार उच्चारण करें।

वीर: सर्वसुरासुरेन्द्र – महितो, वीरं बुधा: संश्रिता: । वीरेणाभिहत: स्वकर्म – निचयो, वीराय नित्यं नम: ।।
वीरात् तीर्थमिदं प्रवृत्तमतुलं, वीरस्य घोरं तपो । वीरे श्री–धृति–कीर्ति–कान्तिनिचयो, हे वीर ! भद्रं दिश ।।

सभी उपस्थित जन सामूहिक रूप से मंगल भावना के पद्यों का उच्चारण करें।

मंगल - भावना

1. श्री सम्पन्नोऽहं स्याम्
2. ह्री सम्पन्नोऽहं स्याम्
3. धी सम्पन्नोऽहं स्याम्
4. धृति सम्पन्नोऽहं स्याम्
5. शक्ति सम्पन्नोऽहं स्याम्
6. शान्ति सम्पन्नोऽहं स्याम्
7. नंदि सम्पन्नोऽहं स्याम्
8. तेज: सम्पन्नोऽहं स्याम्
9. शुक्ल सम्पन्नोऽहं स्याम्

महावीर स्तुति आदि मंगल गीतों का एकाग्र होकर संगान करें।

महावीर स्तुति

जय महावीर भगवान, मन मन्दिर में आओ धरूँ निरन्तर ध्यान

1. पावन नाम तुम्हारा, मन्त्राक्षर प्यारा ।...प्रभु...
   मेरी स्वर–लहरी पर, उठे एक ही तान।। जय महावीर भगवान....
2. राग द्वेष विजेता, सिद्धि–सदन नेता।...प्रभु...
   क्षमामूर्ति जग त्राता, मिटे सकल व्यवधान।। जय महावीर भगवान....
3. अनेकांत उद्‌गाता, अनुपम सुखदाता।...प्रभु
   जनम–जनम के बन्धन, तोड़े कर संधान।। जय महावीर भगवान....
4. आधि व्याधि की माया, मिटे प्रेत छाया।...प्रभु..
   आत्म–शक्ति जग जाए, लघु भी बने महान।। जय महावीर भगवान....
5. भक्ति भरा मन मेरा, तोड़ रहा घेरा।..प्रभु...
   तन्मय बनकर 'तुलसी' करूँ सदा संगान।। जय महावीर भगवान....

मर्यादा कुमार कोठारी
अध्यक्ष

एन. गौतमचन्द डागा
महामंत्री

चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं